सत्यमेव जयते

प्रधान मंत्री

Prime Minister

नई दिल्ली

27 अगस्त, 2011

प्रिय श्री अन्ना हजारे जी,

आपके दिनांक 26 अगस्त के पत्र के लिए धन्यवाद ।

जैसा कि आप जानते हैं, संसद में आज लोकपाल संबंधी मुद्दों पर चर्चा हुई। आपको यह जानकर प्रसन्नता होगी कि संसद के दोनों सदनों ने आपके द्वारा अपने पत्र में उठाए गए तीन बिंदुओं पर एक रेज़ोल्यूशन पास किया है। इस रेज़ोल्यूशन के अनुसार संसद निम्न तीन विषयों पर सैद्धान्तिक रूप से सहमत है:-

(1) नागरिक संहिता

(2) उपयुक्त तंत्र के जरिए निचले स्तर के सरकारी कर्मचारियों को लोकपाल के अधीन करना

(3) राज्यों में लोकायुक्त की स्थापना

संसद ने यह रेज़ोल्यूशन भी किया है कि आज की कार्यवाही विभाग से संबंधित स्थाई समिति को भेज दी जाए ताकि वह अपनी अनुशंसाएं करते समय उसका अवलोकन कर सके।

आशा है कि आप संसद के रेज़ोल्यूशन को देखते हुए अपना अनशन अविलंब समाप्त करेंगे और पुन: पूर्ण स्वस्थ होंगे। हम सब आपके अच्छे स्वास्थ्य की कामना करते हैं।

शुभकामनाओं सहित,

आपका,

मनमोहन सिंह

(मनमोहन सिंह)

श्री अन्ना हज़ारे

नई दिल्ली

जनलोकपाल के लिए निर्णायक आंदोलन...

प्यारे भाई और बहनों,

आप जानते होंगे कि पिछले २५ साल से मै जन आंदोलन के माध्यम से भ्रष्टाचार के विरोध मे संघर्ष कर रहां हूँ। जनतंत्र के दबाव से महाराष्ट्र में जनहित मे कई कानून बने। लेकिन ये लडाई सिर्फ एक राज्य में सिमित नहीं रह सकती। इसलिए जनलोकपाल की मांग को ले कर हम ने एप्रिल २०११ से राष्ट्रीय स्तर पर आंदोलन शुरू किया। १६ अगस्त २०११ को दिल्ली के रामलिला मैदान पर ऐतिहासिक आंदोलन हुआ। जिसमें देश की करोड की संख्या में जनता रास्ते पर उतर आयी। सिर्फ भारतमें ही नही बल्कि पुरी दुनिया से इस आंदोलन को व्यापक समर्थन मिला। जनशक्ती का दबाव बढने से संसद में प्रस्ताव पारित कर के प्रधानमंत्री जी ने मुझे याने कि देश की जनता को लिखित आश्वासन दे दिया। उसके बाद भी दो बार आंदोलन करना पडा। लोकसभा में लोकपाल बील पास हो गया। सिलेक्ट कमेटी ने भी पास किया। लेकिन एक साल से वह राज्यसभा में पडा है और हम इन्तजार कर रहे है।

इस के दौरान मै लगातार सरकार से पत्र व्यवहार करता रहा। प्रधानमंत्री जी के दफ्तर से मुझे हर बार इस सत्र में बिल लाएंगे ऐसा आश्वासन कई बार लिखित मिलता रहा। लेकिन सरकार ने मेरे साथ और देश की जनता के साथ धोखाधडी की। फूड सिक्युरिटी बील, भूमि अधिग्रहन बिल, पेन्शन बिल, जेल में होते हुए चुनाव लडनेवाला बिल ऐसे कई बिल सरकारने पास किए, लेकिन जनलोकपाल जानबुझ कर नहीं ला रहे है। विपक्ष ने भी जनलोकपाल के बारे में अपनी जिम्मेदारी नहीं निभायी है। विपक्ष के नेता श्रीमती सुषमा स्वराज जी और श्री अरुण जेटली जी ने संसद मे जो आश्वासन दिया था वह नही निभाया। अब हम और इन्तजार नहीं कर सकते। देश की जनता और धोखाधडी नहीं सह सकती। मैने तो तय किया है कि, जब तक शरीर मे प्राण है तब तक भ्रष्टाचार मुक्त भारत के लिए लडता रहुंगा।

इसलिए १० दिसंबर से रालेगणसिद्धी के संत यादवबाबा मंदिर में मेरा अनिश्चितकालिन अनशन शुरू होगा। मै देश की जनता को अनुरोध करता हूँ कि, आप सभी को इस आंदोलन में शामील होना है। ये परिवर्तन की लडाई है। ये स्वतंत्रता की दुसरी लडाई है। अब पिछे रह जाओगे तो खुद को कभी माफ नहीं करोगे। खास कर के देश के युवा इस आंदोलन को हाथ मे लेंगे तो परिवर्तन की घडी दूर नही होगी। लेकिन मै एक बात को नम्रता से कहुंगा कि, हमारा आंदोलन पुरे अहिंसात्मक और शांततपूर्ण मार्ग से होगा। १६ अगस्त के आंदोलन में आप सभी ने दुनिया को ये दिखा दिया है। आंदोलन मे शामील होने के लिए सभी को रालेगणसिद्धी में आने की जरुरत नहीं। आप अपने गांव, तहसिल, जिला या शहरों में शांततापूर्ण मार्ग से आंदोलन कर सकते है।

इस शीतकालीन सत्र में सरकार को जनलोकपाल बिल लाना होगा। तब तक मेरा अनशन जारी रहेगा। अगर इस सत्र में बिल नहीं लाया गया तो बाद में सार्वत्रिक चुनाव के पहले मै देशभर जा कर सरकार की धोखाधडी के बारे में जनता को जगाऊंगा। सरकार ने जनलोकपाल के बारे में कैसी धोखाधडी की ये साथ में दिए हुए पत्र पढकर आपके समझ मे आएगा। आओ सब मिल कर स्वतंत्रता की ये दुसरी लडाई लडेंगे। जयहिंद।

आपला,

कि० बा० हजारे (अण्णा)

कि. बा. हजारे (अण्णा)

अब इन्तजार नहीं सब मिलके कहो।
जनलोकपाल लाओ नहीं तो जाओ।

बार बार धोखाधडी और क्या कह सकते।
जान दे सकते हैं लेकिन भ्रष्टाचार नही सह सकते।

भ्रष्टाचार मुक्त भारत के लिए हमें चाहिए

सक्षम जनलोकपाल

१० दिसंबर से रालेगणसिद्धी में

निर्णायक अनशन

कार्यकर्ताओं ने अपने गांव, तहसिल, जिला या शहरों में शांततापूर्ण मार्ग से आंदोलन करना है।